चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Hari bhoomi **Date: 16-09-2022**

सीआरएसयू के नैक जागरूकता कार्यक्रम में 100 बने प्रतिभागी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

जींद। नई शिक्षा नीति (एनईपी2020) की जानकारी देते हुए।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) आंतरिक गुणवत्ता चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय ने सभी संबद्ध कॉलेजों के लिए नैक जागरूकता कार्यक्रम पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कुलपति डा. रणपाल सिंह, रजिस्ट्रार प्रो. लवलीन मोहन रजिस्ट्रार और प्रोफेसर एसके सिन्हा, निदेशक आईक्यूएसी ने विश्वविद्यालय में कार्यशाला का उद्घाटन किया। जिसमें 100 से अधिक के प्रधानाचार्य, नामित और निदेशक, समन्वयक, प्रभारी, नोडल अधिकारी, आईक्यूएसी सीआरएस विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों ने भाग लिया। प्रो. नरसिम्हन बी. निदेशक आईक्यूएसी एमडीयू रोहतक, प्रो. विवेक सचदेवा जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय दिल्ली व डा. अशोक कुमार प्रिंसिपल एमएन कॉलेज शाहाबाद शामिल हुए। उन्होंने एनएएसी मान्यता प्रक्रिया के बारे में जागरूकता पैदा करने, एनएएसी मान्यता के लिए सात मानदंडों पर विचार-विमर्श किया।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date:16-09-2022**

नैक जागरूकता कार्यक्रम पर हुई कार्यशाला

जागरण संवाददाता, जींद : चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आइक्यूएसी), आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आइक्यूएसी) ने विश्वविद्यालय से जुड़े कालेजों के लिए नैक (राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यानयन परिषद) जागरूकता कार्यक्रम पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। वीसी डा. रणपाल सिंह ने रजिस्ट्रार प्रो. लवलीन मोहन व आइक्यूएसी निदेशक प्रो. एसके सिन्हा के साथ विश्वविद्यालय सभागार में कार्यशाला का उद्घाटन किया। जिसमें 100 से अधिक कालेजों के प्रधानाचार्य, नामित और निदेशक, समन्वयक, प्रभारी, नोडल अधिकारियों ने भाग लिया। एमडीयू रोहतक के आइक्यूएसी निदेशक प्रो. नरसिम्हन बी, जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय दिल्ली से प्रो. विवेक सचदेवा, एमएन कालेज शाहाबाद के प्राचार्य डा. अशोक कुमार संसाधन व्यक्ति के तौर पर मौजूद थे। उन्होंने नैक मान्यता प्रक्रिया के बारे में जागरूकता पैदा करने, नैक मान्यता के लिए सात मानदंडों पर विचार-विमर्श और उच्च शिक्षा संस्थानों के नैक प्रत्यायन के लिए आवश्यक प्रमुख संकेतकों व मापदंडों के बारे में बात की। प्रो. सचदेवा ने एचईआइ के लिए नई शिक्षा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन में शामिल कदमों पर जोर दिया। वीसी डा. रणपाल सिंह ने विश्वविद्यालय से संबद्ध उच्च शिक्षा संस्थानों से नैक प्रत्यायन और नई शिक्षा नीति को जल्द से जल्द लागू करने के लिए पूर्ण रूप से प्रयास करने का आग्रह किया।

सीआरएसयू में कार्यशाला को संबोधित करते वीसी डा. रणपाल सिंह। ● विज्ञप्ति

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesri **Date: 16-09-2022**

नैक जागरूकता कार्यक्रम पर हुई कार्यशाला

जागरण संवाददाता, जींद : चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आइक्यूएसी), आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आइक्यूएसी) ने विश्वविद्यालय से जुड़े कालेजों के लिए नैक (राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यानयन परिषद) जागरूकता कार्यक्रम पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। वीसी डा. रणपाल सिंह ने रजिस्ट्रार प्रो. लवलीन मोहन व आइक्यूएसी निदेशक प्रो. एसके सिन्हा के साथ विश्वविद्यालय सभागार में कार्यशाला का उद्घाटन किया। जिसमें 100 से अधिक कालेजों के प्रधानाचार्य, नामित और निदेशक, समन्वयक, प्रभारी, नोडल अधिकारियों ने भाग लिया। एमडीयू रोहतक के आइक्यूएसी निदेशक प्रो. नरसिम्हन बी, जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय दिल्ली से प्रो. विवेक सचदेवा, एमएन कालेज शाहाबाद के प्राचार्य डा. अशोक कुमार संसाधन व्यक्ति के तौर पर मौजूद थे। उन्होंने नैक मान्यता प्रक्रिया के बारे में जागरूकता पैदा करने, नैक मान्यता के लिए सात मानदंडों पर विचार-विमर्श और उच्च शिक्षा संस्थानों के नैक प्रत्यायन के लिए आवश्यक प्रमुख संकेतकों व मापदंडों के बारे में बात की। प्रो. सचदेवा ने एचईआइ के लिए नई शिक्षा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन में शामिल कदमों पर जोर दिया। वीसी डा. रणपाल सिंह ने विश्वविद्यालय से संबद्ध उच्च शिक्षा संस्थानों से नैक प्रत्यायन और नई शिक्षा नीति को जल्द से जल्द लागू करने के लिए पूर्ण रूप से प्रयास करने का आग्रह किया।

सीआरएसयू में कार्यशाला को संबोधित करते वीसी डा. रणपाल सिंह। ● विज्ञप्ति